भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

17.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4081 का उत्तर

जोलारपेट-कृष्णागिरी रेल परियोजना में विलंब

4081. डॉ॰ ए॰ चैल्ला कुमारः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रस्तावित जोलारपेट-कृष्णागिरी रेल परियोजना में विलंब हो रहा है, जिसके कारण लागत में अत्यधिक वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो परियोजना का ब्यौरा क्या है और इनके निष्पादन में विलंब के क्या कारण हैं;

(ग) इस परियोजना पर अब तक व्यय की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) लागत में और अधिक वृद्धि को रोकने हेतु इन परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी लाने हेतु रेलवे द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख): कृष्णागिरी के रास्ते जोलारपेट्टै-होसुर के लिए नई लाइन परियोजना को शुरु करने संबंधी व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए 2000-01, 2005-06, 2008-09 तथा 2010-11 में सर्वेक्षण किए गए थे। 2010-11 में पूरे किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 101 किमी नई लाइन की लागत (-)2.25% प्रतिफल की दर से 688 करोड़ रु थी। परियोजना के वित्तीय दृष्टि से अलाभप्रद होने के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका। बहरहाल, 2018-19 में एक नया सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। सर्वेक्षण शुरू हो गया है।

(ग) और (घ): प्रश्न नहीं उठता।

****

mm